कानपुर, सोमवार, 30 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 80, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

# स्वराज इंडिया

साप्ताहिक समाचार पत्र

इनसाइड खार्ग द्वीप पर कब्जे की धमकी से बढ़ा वैश्विक तनाव...>Pg12

स्मार्ट सिटी की 'आँखों' में धूल झोंक रहे आटो वाले!...>Pg03

मूल्यः ₹

## यूपी पीसीएस-2024: संघर्ष से शिखर तक

# टॉप-10 में 6 बेटियां, नेहा पंचाल टॉपर

**मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया**

**प्रयागराज।** उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस-2024) का बहुप्रतीक्षित अंतिम परिणाम रविवार देर रात जारी होते ही हजारों परिवारों में खुशियों की लहर दौड़ गई। यह परिणाम केवल एक सूची नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य, आत्मविश्वास और वर्षों की मेहनत की जीत का प्रतीक बनकर सामने आया है।

इस बार दिल्ली की नेहा पंचाल ने पहला स्थान हासिल कर टॉप किया, जबकि रायबरेली की अनन्या त्रिवेदी दूसरे और अभय प्रताप सिंह तीसरे स्थान पर रहे। खास बात यह रही कि टॉप-10 में 6 बेटियों ने जगह बनाकर महिला सशक्तिकरण की एक नई मिसाल पेश की।

कुल 932 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिनमें प्रशासनिक ढांचे के अहम पद–37 डिप्टी कलेक्टर (SDM), 17 पुलिस उपाधीक्षक (DSP) और 196 असिस्टेंट कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स) शामिल हैं। यह उपलब्धि उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो वर्षों से इस परीक्षा के लिए मेहनत कर रहे हैं।

**बेटियों का परचम फहराया:** इस बार के परिणाम में बेटियों की शानदार भागीदारी देखने को मिली। टॉप-10 में 6 लड़कियों का चयन न केवल उनकी मेहनत को दर्शाता है, बल्कि समाज में बदलती सोच और अवसरों की समानता को भी मजबूत करता है।

**सफलता का व्यापक संदेश:** UPPCS-2024 का परिणाम यह स्पष्ट करता है कि लगातार प्रयास सफलता की कुंजी है, सीमित संसाधन भी बाधा नहीं बनते। बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, यह रिजल्ट केवल चयन नहीं, बल्कि उन सपनों की जीत है जो कभी हार नहीं मानते। यह परिणाम आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह बताता है कि अगर इरादे मजबूत हों, तो हर मुश्किल रास्ता भी मंजिल तक पहुंचाता है।

❍ 5.76 लाख अभ्यर्थियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा में 932 युवाओं के सपनों को मिली उड़ान

❍ चौथे प्रयास में नेहा ने रच दिया इतिहास, पहले प्रयास में अनन्या बनीं एसडीएम

### नेहा पंचालः असफलताओं को सीढ़ी बनाकर चौथे प्रयास में टॉप

टॉपर नेहा पंचाल की सफलता दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास की कहानी है। दिल्ली के मोतीराम मेमोरियल गर्ल्स स्कूल से पढ़ाई के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से बीकॉम किया और फिर सिविल सेवा की तैयारी में जुट गईं। उन्होंने तीन असफल प्रयासों के बाद हार नहीं मानी और चौथे प्रयास में टॉप कर दिखाया। यूपीएससी इंटरव्यू का अनुभव, पॉलिटिकल साइंस और इंटरनेशनल रिलेशंस में मास्टर्स इन सभी ने उनकी तैयारी को मजबूत बनाया। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि असफलता अंत नहीं, बल्कि सफलता की तैयारी होती है।

### अनन्या त्रिवेदीः सीमित संसाधनों से पहली बार में एसडीएम

दूसरे स्थान पर रहीं रायबरेली की अनन्या त्रिवेदी की कहानी सादगी और संघर्ष की मिसाल है। पिता की छोटी परचून की दुकान व मां सरकारी शिक्षक हैं। अनन्या ने सीमित संसाधनों में रोजाना लगभग 6 घंटे की नियमित पढ़ाई और स्पष्ट रणनीति के साथ तैयारी की। बीएचयू से स्नातक और इग्नू से परास्नातक करने के साथ उन्होंने नेट भी पास किया। पहले ही प्रयास में एसडीएम बनकर उन्होंने यह साबित कर दिया कि सफलता के लिए संसाधन नहीं, संकल्प जरूरी होता है।

### चयन की पूरी प्रक्रिया

**यूपीपीसीएस परीक्षा तीन चरणों में होती है**

**1- प्रारंभिक परीक्षा (प्रीलिम्स)**
- वस्तुनिष्ठ (आब्जेक्टिव) प्रश्न
- स्क्रीनिंग टेस्ट (केवल क्वालिफाइंग)

**2- मुख्य परीक्षा (मेंस)**
वर्णनात्मक (डिस्क्रिप्टिव)
8 पेपर (निबंध, सामान्य अध्ययन, वैकल्पिक विषय आदि)

**3- साक्षात्कार (इंटरव्यू)**
- व्यक्तित्व परीक्षण
- प्रशासनिक समझ, निर्णय क्षमता और व्यवहार का मूल्यांकन

**फाइनल मेरिट कैसे बनती है?**
- केवल मेंस + इंटरव्यू के अंक जोड़े जाते हैं
- उसी के आधार पर अंतिम रैंक और पद तय होता है

### टॉप-10 सफल अभ्यर्थी

- नेहा पंचाल
- अनन्या त्रिवेदी
- अभय प्रताप सिंह
- श्रेया मिश्रा
- प्राची वर्मा
- आदित्य सिंह
- साक्षी गुप्ता
- आयुष तिवारी
- नेहा यादव
- अर्पिता सिंह

(नोटः आधिकारिक सूची के अनुसार नामों में आंशिक परिवर्तन संभव)

## पाकिस्तान में लिया था आतंकी प्रशिक्षण, राजधानी में रहकर कर रहा था नेटवर्क तैयार

# दिल्ली से लश्कर का आतंकी शब्बीर गिरफ्तार, बड़ी साजिश नाकाम

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संदिग्ध आतंकवादी शब्बीर को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी पाकिस्तान स्थित आतंकी कैंप में प्रशिक्षण ले चुका है और भारत में किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहा था।

खुफिया इनपुट के आधार पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शब्बीर को दबोचा। अधिकारियों के मुताबिक, वह पिछले कुछ समय से दिल्ली में गुप्त रूप से रह रहा था और यहां स्थानीय स्तर पर अपने संपर्क मजबूत करने में जुटा था। जांच में यह भी सामने आया है कि वह संदिग्ध गतिविधियों के जरिए युवाओं को गुमराह कर संगठन से जोड़ने की कोशिश कर रहा था।

एजेंसियों का कहना है कि शब्बीर ने लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविर में हथियार चलाने, विस्फोटक तैयार करने और गुप्त तरीके से नेटवर्क संचालित करने की ट्रेनिंग ली थी। पूछताछ में उसने कई अहम खुलासे किए हैं, जिनके आधार पर अन्य संदिग्धों की तलाश भी तेज कर दी गई है।

सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि आरोपी राजधानी या आसपास के इलाकों में किसी भीड़भाड़ वाले स्थान को निशाना बनाने की फिराक में था। हालांकि समय रहते उसकी गिरफ्तारी से एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया गया। फिलहाल उससे जुड़े डिजिटल साक्ष्य, कॉल डिटेल्स और वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि शब्बीर के संपर्क देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय मॉड्यूल से भी हो सकते हैं। इसी के मद्देनजर विभिन्न राज्यों की पुलिस को अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। इस कार्रवाई को आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी सफलता माना जा रहा है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि उसके पीछे कौन-कौन लोग सक्रिय थे और इस साजिश का दायरा कितना बड़ा था।

### कुल आंकड़ा (हालिया अवधि)

**8** गिरफ्तार लश्कर मॉड्यूल केस

**10** गिरफ्तार हथियार तस्करी नेटवर्क

**20+** गिरफ्तार अन्य संदिग्ध/लिंक

**01** ताजा गिरफ्तारी (शब्बीर)

**कुल मिलाकरः पिछले 1-1.5 महीने में 35 से अधिक संदिग्ध/आतंकी तत्वों पर कार्रवाई**

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

### हाल की प्रमुख गिरफ्तारियां

**मार्च 2026**

- आतंक से जुड़े संदिग्ध नेटवर्क की जांच में कई राज्यों में छापेमारी
- हरियाणा-सिरसा कनेक्शन केस में 20+ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया
- अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़
- पाकिस्तान-नेपाल-बांग्लादेश कनेक्शन वाले 10 आरोपी गिरफ्तार

**फरवरी 2026**

- लश्कर-ए-तैयबा के बड़े मॉड्यूल का खुलासा
- 7 बांग्लादेशी समेत कुल 8 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार
- देश के कई शहरों में हमले की तैयारी के सबूत मिले

# एल्डिको नाम बड़े दर्शन छोटे !

टूटी सड़कों का नजारा

विला का घटिया निर्माण, गिर रहा है एलिवेशन

## एल्डिको टाउनशिप कंपनी के द्वारा जवाहरपुरम के पास विकसित की गई टाउनशिप में अनियमितताओं का भंडार

» एल्डिको में टूटी सड़के और साफ सफाई व्यवस्था बदहाल

» करोड़ों रुपए खर्च कर विला में रहने वाले लोग हो रहे परेशान

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विदेश की तर्ज़ पर कल्यानपुर के पास नयाशिवली रोड से आगे जवाहरपुरम गांव में वर्ष 2006-07 में सैकडो एकड में टाउनशिप विकसित की थी। कंपनी के द्वारा खरीददारों को बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे लेकिन वर्तमान में जो हालात हैं वह बहुत ही हैरान करने वाले हैं. वर्तमान समय में वहां पर 200 से अधिक परिवार विला में रहते हैं। विला नंबर सीएन 2, फेस 1 सेक्टर 9 निवासी अधिवक्ता मनीष पाडेंय ने बताया कि एल्डिगो टाउनशिप एंड हाउसिंग कंपनी के द्वारा ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है, सड़के ध्वस्त पड़ी है नालियां जाम है, साफ सफाई का भी बुरा हाल है. उन्होंने बताया कि जिस विला में हम रहते हैं उसके दीवारों का प्लास्टर लगातार गिर रहा है दरवाजे तक गल चुके हैं हमने इस संदर्भ में कंपनी के लोगों से कहा तो कोई रिस्पांस नहीं दिया गया उल्टा बार-बार मेंटेनेंस के नाम पर नोटिस दिए जा रहे हैं. यहां तक कमर्शियल बिजली हम लोगों को बेच रहे हैं , इस संदर्भ में उपभोक्ता फोरम में वाद दायर कर किया तो वहां से नागरिकों की जीत हुई है, उपभोक्ता फोरम ने मल्टी पॉइंट कनेक्शन बनाकर देने के निर्देश दिए हैं लेकिन अब तक इसका इंप्लीमेंट नहीं किया गया है.

ष्ट 24 निवासी अनिल कनोडिया ने बताया कि इल्डिको कंपनी के द्वारा धोखा दिया गया है, खूब पैसा लेकर हम लोगों को सुविधा नहीं दी जा रहे हैं यहां पर जमीनों का बड़ा घाल मेल है, जो बिल्ला बना कर दिए गए हैं उनकी क्वालिटी बहुत खराब है उनका एलिवेशन गिर रहा है अंदर से फर्श टूट रही है, कोई सुनने वाला नहीं है हम लोगों ने इसकी शिकायत रेरा प्राधिकरण में की है.साफ सफाई का भी बुरा हाल है सुरक्षा का भी कोई इंतजाम नहीं है सिर्फ दिखावे का खेल है.यहां पर रहने वालों को पार्किंग का कोई इंतजाम नहीं किया गया है, गाड़ियां रोड पर खड़ी होती हैं इससे निकलने में हम लोगों को दिक्कत होती है पहले श्वस्छश्वष्टह्र कंपनी ने कहा था हम पार्किंग जैसी बेहतर सुविधा देंगे लेकिन अब कंपनी के लोग मौके पर नहीं आ रहे हैं सिर्फ पैसा चाहिए.

खास खबर

### क्षमता से अधिक क्लब के लिए जा रही है सदस्यता

एल्डिको कंपनी के द्वारा यहां पर एक क्लब का निर्माण किया गया है इसकी क्षमता 200 से अधिक नहीं है लेकिन उसके बावजूद कंपनी के द्वारा अंदर जो अन्य सेक्टर डिवेलप किए जा रहे हैं उनमें भी इसी का इसी का सदस्यता दी जा रही है, जबकि उसमें क्षमता ही नहीं है ऐसे में उसका उपयोग कोई कैसे कर सकता है. क्लब के बाहर पार्किंग का भी कोई इंतजाम नहीं है, गाड़ियां रोड पर खड़ी होती हैं. इस तरह के धोखे एल्डिको के द्वारा की जा रहे हैं

# स्मार्ट सिटी की 'आँखों' में धूल झोंक रहे आटो वाले!

## कानपुर में नम्बर प्लेट छुपाने की बन चुकी है परम्परा

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर.** शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा दिलाने के लिए चौराहों पर हाई-टेक CCTV कैमरे लगाए गए हैं और समय समय पर आलाधिकारियों द्वारा यातायात नियमों को सख्ती से लागू करने के दावे किए जाते हैं। लेकिन इन दावों की पोल खोल रही है शहर की सड़कों पर दौड़ रही ई-रिक्शा और ऑटो की वो फौज, जो बिना प्लेट पर लिखे नम्बरों को छुपाकर बेखौफ घूम रही है।

शहर के प्रमुख चौराहों जैसे कि रामादेवी, नौबस्ता, टाटमिल, बर्रा, और जरीब चौकी सहित अनेक चौराहों व प्रमुख सड़कों पर

**➪ कानून को खुलेआम ठेंगा दिखा रहे ई-रिक्शा और ऑटो चालक**

आईटीएमएस (ITMS) के आधुनिक कैमरे लगे हैं, जो पलक झपकते ही चालान काटने की क्षमता रखते हैं। इसके बावजूद, अधिकतर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने नम्बर प्लेट पर या तो कीचड़ लगा रखा है, या उसे कपड़े/पॉलीथिन/काली चोटी से ढक कर पहचान छुपा रखी है। नम्बर छुपा कर चलने का यह खेल एक परम्परा सा बन चुका है।

नम्बर प्लेट छुपाने की यह बढ़ती प्रवृत्ति केवल यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ा खतरा भी है।

हिट एंड रन की दृष्टि से देखें तो किसी दुर्घटना की स्थिति में वाहन की पहचान करना असंभव सा हो जाता है।

अपराधिक गतिविधियों में लिप्तता में बिना नम्बर प्लेट अथवा छुपे नम्बरों

के चलते वाहन अक्सर लूटपाट या अन्य संदिग्ध गतिविधियों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं।

वहीं पहचान छुपी होने के कारण ये चालक बीच सड़क पर वाहन खड़ा करने या रॉन्ग साइड चलने से नहीं कतराते, क्योंकि उन्हें ई-चालान का डर नहीं होता।

### पुलिस की सक्रियता पर सवाल

- हैरानी की बात यह है कि जहाँ इन चौराहों पर यातायात पुलिस के जवान और होमगार्ड मुस्तैद रहते हैं, वहीं उनकी नाक के नीचे से ये 'बेनाम' वाहन धड़ल्ले से गुजर रहे हैं। नम्बर प्लेट को ढंकने की इस सोची-समझी 'परम्परा' पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं दिख रही है।
- सवाल यह उठता है कि अगर स्मार्ट सिटी के कैमरे इन चालकों को नहीं देख पा रहे हैं, तो यह तकनीक और प्रशासन दोनों की विफलता है।
- गौरतलब हो कि, 'यातायात नियमों के अनुसार नम्बर प्लेट के साथ छेड़छाड़ करना मोटर वाहन अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है।'
- प्रशासन को चाहिए कि ऐसे वाहनों को तुरंत सीज कर सख्त अभियान चलाए।

# बिधनू में भीषण सड़क हादसा, ट्रक-बस और डंपर की टक्कर में 14 घायल

**मुख्य संवाददाता**

**कानपुर।** बिधनू थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने इलाके में हड़कंप मचा दिया। कानपुर-सागर हाईवे पर शम्भूहा पुल के पास ट्रक और एक प्राइवेट बस की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे डंपर ने भी बस में टक्कर मार दी, जिससे हादसा और भयावह हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड्ड में पलट गए।

इस हादसे में बस में सवार कुल 14 लोग घायल हो गए। घायलों में कमल सिंह (40), पीर अली (55), अपहान (3), नफीस (33), अरशद (12), सबाना (32), दीपू (30), शाहीन (35), जावेद (38) समेत अन्य यात्री शामिल हैं। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही बिधनू और सेन पश्चिम पारा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बस में फंसे

**➪ तेज रफ्तार और लापरवाही बनी वजह, 9 की हालत गंभीर**

घायलों को निकालने के लिए पुलिस को बस के शीशे तोड़ने पड़े। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने भी पुलिस की मदद करते हुए घायलों को बाहर निकाला। सभी घायलों को एंबुलेंस के जरिए बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद 9 घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें कानपुर के जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं कुछ घायल घटनास्थल से ही निजी अस्पतालों में इलाज के लिए चले गए। बिधनू थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि सभी घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचा दिया गया है और उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। हादसे

के बाद कुछ समय के लिए कानपुर-सागर हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु कराया। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है।

# कॉर्डियोलॉजी के बाहर चला बुलडोजर

# 11 अवैध दुकानें मिट्टी में मिलीं

## नोटिस के बावजूद नहीं हटे अतिक्रमण, एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई की गई

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। रावतपुर क्षेत्र में जीटी रोड किनारे रविवार सुबह प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 अवैध दुकानों पर बुलडोजर चला दिया। यह अभियान डॉ. मुरारीलाल चेस्ट हॉस्पिटल और एलपीएस कार्डियोलॉजी के बीच संचालित किया गया, जहां होटल, जनरल स्टोर, मैगी प्वाइंट और मेडिकल स्टोर समेत कई अस्थायी और स्थायी निर्माण ध्वस्त कर दिए गए।

कार्रवाई के चलते जीटी रोड पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। बिल्हौर से कल्याणपुर होते हुए गोल चौराहे तक करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। वाहन चालकों को इस दूरी को पार करने में एक-एक घंटे तक का समय लगा। मौके पर मौजूद पुलिस बल ने लाउडहेलर के जरिए ट्रैफिक को नियंत्रित किया और जाम में फंसी एंबुलेंस को बाहर निकलवाया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, संबंधित दुकानदारों को पहले ही 26 फरवरी और 13 मार्च को नोटिस जारी कर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन समयसीमा के बावजूद पालन नहीं किया गया। इसके बाद एडीएम सिटी डॉ. राजेश कुमार के नेतृत्व में भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान एक मेडिकल स्टोर संचालक ने कोर्ट से स्टे होने का दावा किया, जिस पर शुरुआती तौर पर उसे छोड़ दिया गया। हालांकि बाद में जांच में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न कर पाने पर उस दुकान को भी ध्वस्त कर दिया गया। इस घटना को लेकर कुछ दुकानदारों ने प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

वहीं, बिजली विभाग ने भी सक्रियता दिखाते हुए आठ दुकानों में लगे अस्थायी स्मार्ट मीटर हटाने के साथ बकाया वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि हाईवे किनारे अवैध निर्माण के कारण यातायात बाधित हो रहा था और आसपास के संस्थानों को भी परेशानी हो रही थी। इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई अमल में लाई गई।

# कोयला नगर में अवैध कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

## चार दमकल गाड़ियों की मशक्कत से बुझी आग, कारणों की जांच शुरू

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र स्थित कोयला नगर में रविवार देर रात एक अवैध प्लास्टिक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। करीब 45 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, हालांकि गोदाम में रखा पूरा सामान जलकर खाक हो गया।कोयला नगर चौकी प्रभारी राष्ट्रदीप सिंह ने बताया कि उक्त गोदाम एजाज नामक व्यक्ति का है। देर रात अचानक आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। आग की तेज लपटें और धुएं का गुबार देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी, जिसके बाद राहत कार्य शुरू किया गया।फायर अधिकारी राहुल नंदन ने बताया कि कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही चार दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पाया और आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोक लिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है और इसकी जांच की जा रही है। साथ ही, गोदाम के संचालन की वैधता और सुरक्षा मानकों की भी जांच की जाएगी। यदि गोदाम नियमों के विरुद्ध संचालित पाया गया तो संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, क्षेत्रीय निवासियों राजू, अंकित कुमार और शिवम ने बताया कि इलाके में कई कबाड़ गोदाम बिना आवश्यक एनओसी के संचालित हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अवैध गोदामों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

# माता‌रानी के जागरण में भक्ति की बही सरिता, हजारों श्रद्धालु झूमे

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर आवास विकास के सत्यम विहार में माताराणी के विशाल जागरण का भव्य आयोजन किया गया, जहां पूरी रात भक्ति का माहौल देखने को मिला। प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजनों और झांकियों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।जागरण में बिल्हौर से आए अतुल सांवरे झांकी ग्रुप ने आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते नजर आए। कार्यक्रम में ÷मां मुरादें पूरी कर दें हलवा बाटूंगी÷, ÷चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है÷ और ÷शेर पर सवार होकर आई मां शेरावाली÷ जैसे भजनों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बने।भजनों के बीच भगवान गणेश, मां दुर्गा, काली मां, राधा-कृष्ण, जय वीर हनुमान, खाटू श्याम और शंकर-पार्वती की मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। आयोजन स्थल पर भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम की शुरुआत सुबह माता रानी की कथा के साथ हुई। इसके उपरांत विधि-विधान से पूजन कर अंकित चौधरी ने अपने परिवार सहित कन्याओं को भोग लगाया। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।इस अवसर पर आईपीएस डॉ. सुमेद मिलिंद जाधव, कल्याणपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह, पनकी रोड चौकी प्रभारी विपिन मौर्य सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। क्षेत्रवासियों ने सफल आयोजन के लिए अतुल सांवरे झांकी ग्रुप और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

## सम्पादकीय

# ट्रायल कोर्ट के फैसले से आप को प्राणवायु

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है। बहरहाल, इन आरोपों के बीच स्वच्छ शासन का वादा करते हुए भाजपा ने 26 वर्ष के लंबे अंतराल पर दिल्ली की सत्ता में वापसी की थी, जबकि आप दूसरे स्थान पर रही थी। दिल्ली विधानसभा में मिली शिकस्त के बाद ही आप के शीर्ष नेतृत्व ने अपना पूरा ध्यान पंजाब पर लगाया था। आज पंजाब ही ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी की सरकार बची है। भले ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है,लेकिन एक बात तो तय है कि निचली अदालत के आदेश के बाद आप को दिल्ली में खोये जनाधार को फिर से हासिल करने का मौका मिल सकेगा। वह अपनी पार्टी के मुख्य भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को फिर से चलाने के लिये नैतिक बल तो हासिल कर पायी है।

खासकर अदालत की वह टिप्पणी, जिसमें कहा गया कि जांच एक पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है। यानी जांच में उचित प्रक्रिया का उल्लंघन किया गया है।

# दुश्मनों पर निगाह रहे और सभी से संवाद

यशवंत सचदेव

**कूटनीतिक दायरे में पाकिस्तान की अचानक बढ़ी मौजूदगी भारत की स्थिति को लेकर असहज करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसे में हमें अपनी विदेश नीति, संबंधों और स्थिति पर आत्म-मंथन की जरूरत है। यह भी कि अदना सा देश युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे कैसे निकल गया व दुनिया उसकी सुन क्यों रही है?विदेश मंत्री एस. जयशंकर बिल्कुल सही थे जब उन्होंने गत सप्ताह की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट पर हुई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि 'भारत कोई दलाल देश नहीं है'। जयशंकर, जो खुद एक पूर्व राजनयिक हैं और शब्दों का महत्व समझते हैं, उन्होंने हिंदी शब्द 'दलाल' का उपयोग किया, जिसका अर्थ है बिचौलिया, जब विपक्षी नेताओं ने उनसे ईरान के खिलाफ़ अमेरिका और इस्राइल के चल रहे चार हफ़्ते लंबे युद्ध को खत्म करवाने में पाकिस्तान की भूमिका के बारे पूछा।**

समझा जा सकता है कि जयशंकर गुस्से में थे। माननीय सांसद स्पष्ट पूछ रहे थे ङ्क और, इस तरह - फ़ारस की खाड़ी में जारी संघर्ष में भारत की स्थिति की पाकिस्तान से तुलना कर रहे थे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान का सैन्य-प्रतिष्ठान, जिसकी अगुवाई डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फ़ील्ड मार्शल' आसिम मुनीर कर रहे हैं, ईरान और अमेरिका के बीच संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है, जिसने ट्रंप को 6 अप्रैल तक युद्ध विराम की घोषणा करने में मदद की है। पाकिस्तान ने वार्ताओं की मेज़बानी करने की पेशकश की है; तुर्कीए और मिस्र अन्य संभावित स्थल हैं।किसी भी ढंग से देखें, पिछले 48 घंटों में पाकिस्तान वैश्विक सुर्खियों में अपनी जगह बना पाया है। हो सकता है कि आगामी हफ्तों में इसका नतीजा न निकले। क्या पता, ट्रंप अभी भी ईरान पर ज़मीनी हमले का आदेश दे दें। लेकिन सर्वदलीय बैठक में मौजूद उन सांसदों ने, जिन्हें अन्यथा मुख्यतया केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर ज्यादा चिंता है, स्पष्टतया भांप लिया कि कुछ तो गंभीर गड़बड़ है; सिर्फ़ इसलिए नहीं कि उनके घरों में प्रयोग होने वाले गैस सिलेंडरों की कीमतें बढ़ गई हैं।स्पष्टतः, जयशंकर को खफ़ा होने का हक है। पाकिस्तानी सैन्य-प्रतिष्ठान, जो दशकों से निर्दोष भारतीयों पर एक के बाद एक भयानक हमलों का सूत्रधार रहा है, मुंबई से लेकर पहलगाम तक, जिन्होंने बार-बार लोगों की जान ली है, इन जघन्य अपराधों के लिए उसकी जवाबतलबी होनी चाहिए, न कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति यानी अमेरिकी राष्ट्रपति उसकी तारीफ में कसीदे पढ़े। शायद यह भारत के लिए आत्म-मंथन करने का उचित अवसर है कि हम -एक प्राचीन और अद्वितीय सभ्यता के लोग–इस आधुनिक और तेज़ रफ़्तार दुनिया में आखिर किस दिशा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय लोग विदेश नीति के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते- इसी से संतुष्ट हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे विभिन्न प्रधानमंत्री हमें विदेशों के बड़े और बुरे प्रभावों से ज़्यादातर सुरक्षित रखते रहे हैं।कुछ बातें हम जानते हैं। पहली, कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, भले ही प्रति व्यक्ति आय के मामले में (लगभग 2,700-3,000 डॉलर) हम देशों की सूची में 140वें स्थान पर हैं। दूसरी, भारतीय प्रवासियों का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है, खासकर अमेरिका में। और तीसरी, विश्व मंच पर भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन है, न कि छोटा सा पाकिस्तान।

तब फिर, अदना सा पाकिस्तान, युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे क्यों निकल गया- इससे भी अहम यह कि दुनिया उसकी सुन क्यों रही हैचलिए, एक कदम पीछे हटें। शायद हम गलत सवाल पूछ रहे हैं। सही सवाल यह नहीं कि क्या पाकिस्तान भारत से आगे निकलने में सफल रहा- वह खेल कई तरीकों से और कई मौकों पर खेला जा सकता है।

# मानवता चुका रही संघर्षों-युद्धों की कीमत

## तेल पर कब्जा

डा0 सुधीर सचदेवा

**मौजूदा वैश्विक माहौल में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है।समृद्ध देशों में स्थापित हथियार निर्माण उद्योग एक अत्यंत लाभकारी क्षेत्र बन चुका है। इन उद्योगों के कारण वैश्विक स्तर पर हथियारों की मांग बनी रहती है, और कई बार यह धारणा बनती है कि युद्ध और तनाव की स्थितियां इन उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा देती हैं।**

परिणामस्वरूप, हथियारों के निर्यात से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व को भी लाभ होता है।आज दुनिया में यह धारणा प्रबल होती है कि हथियार उद्योग के आर्थिक हित विश्व के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बने

रहने से जुड़े रहते हैं। एक ओर शक्तिशाली देश शांति और संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कई बार उनके कदम ऐसे दिखाई देते हैं जो संघर्षों को लंबा खींच देते हैं। विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध छोटे देशों में होने वाले युद्ध अक्सर लंबी अवधि तक चलते हैं, जिनका सबसे अधिक बोझ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध शुरू किया गया युद्ध इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो खनिज संसाधनों और सामरिक हितों से जुड़ी जटिलताओं के कारण चार साल से जारी है।वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में उसका अहम? सर्वोपरि है। ईरान के तेल के कुओं पर अधिकार करने की उसकी मंशा वही है जो वेनेजुएला की तेल धन पर कब्जा करने की थी। लेकिन इनका अधिनायकवाद चाहे बाहरी तौर पर इस्राइल के लोगों की रक्षा करने के रूप में उभरता है, लेकिन असल खलिश यही है कि ईरान ने अपने ही तरीके से जीने की हिम्मत क्यों की? यहां भी आठ-दस दिनों में युद्ध निपटा देने की कल्पना की गई थी। पहले ही दिन ईरान की सर्वोच्च सत्ता को साफ कर देने के बाद भी इस युद्ध का अंत अब तक नजर नहीं आता। अमेरिका को यह युद्ध नाको चने चबा गया है। वह खुद कह रहा है कि यह युद्ध लम्बा हो जाएगा, जिसका असंतोष अमेरिका के आम लोगों में भी अब नजर आने लगा है।वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सों–जैसे गाजा पट्टी, ईरान और अफगानिस्तान–में चल रहे संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्धों का दायरा लगातार फैल रहा है। पारंपरिक रूप से युद्ध के कुछ मानवीय नियम माने जाते रहे हैं, जिनके अनुसार संघर्ष केवल सेनाओं तक सीमित होना चाहिए और आम नागरिकों, अस्पतालों तथा विद्यालयों को इससे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह देखा जा रहा है कि इन सिद्धांतों की अक्सर अनदेखी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक, मरीज और बच्चे भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बन रहे हैं।आधुनिक मारक हथियारों से लैस युद्धरत देश मानवीय मूल्यों की परवाह किए बगैर हिंसा के साथ मौत बरसा रहे हैं। हाल के संघर्षों में नागरिक क्षेत्रों पर हमलों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। ईरान से जुड़े घटनाक्रमों में स्कूलों और आम नागरिकों पर हमलों के आरोप लगे, जिनमें अनेक मासूमों की मृत्यु की खबरें सामने आईं, हालांकि संबंधित पक्षों ने इन दावों से इनकार किया और केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इसी प्रकार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में भी नागरिक हानि की खबरें आई हैं, जिनमें अस्पतालों पर हमले और बड़ी संख्या में हताहत होने के दावे शामिल हैं। और सैन्य लक्ष्यों पर कार्रवाई की बात दोहराई गई है।

इन घटनाओं ने एक बार फिर युद्ध के मानवीय नियमों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भारत ने अफगानिस्तान के काबुल स्थित अस्पताल पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों के विरुद्ध अमानवीय कृत्य और संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस प्रकार के हमलों पर चिंता जताई गई है।वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है।

# लव स्टोरी को बना दिया सांप्रदायिक अरौल पुलिस ने बुझाई चिंगारी

## जाँच में साजिश हुई बेनकाब, दोनों समुदाय के लोगों को जेल भेजा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**अरौल/बिल्हौर (कानपुर)।** एक नाबालिग लड़की जो दिल्ली में अपने परिवार के साथ रहती है लेकिन उसका दिल जुड़ा है कानपुर कमिश्नरेट के थाना अरौल क्षेत्र के उस गांव से, जहां उसका ननिहाल है। छुट्टियां हों या त्यौहार–उसका आना-जाना लगा रहता था। इसी गांव का एक लड़का जो जवानी की दहलीज पार कर रहा है वो उस लड़की को दिल दे बैठा....नाम रानी (काल्पनिक) और लड़का आशीष...पहले नजरें मिलींज फिर बात बढ़ीज मोबाइल नंबर का आदान-प्रदान हुआ और फिर शुरू हो गई एक लव स्टोरी।

कहते हैं प्यार अंधा होता हैज न जात देखता है, न धर्म। यहां भी कुछ ऐसा ही था। दो अलग समुदाय के थे लेकिन दिल एक था। पुलिस सूत्रों की मानें तो लड़का उस लड़की के हुस्न पर दीवाना था वह उससे शादी करना चाहता था। उसे लगता था कि अगर वह लड़की के धर्म में आ जाए तो शायद बात बन जाए। इसी कोशिश में उसने एक कहानी गढ़ी लेकिन ये कहानी पर्दे पर आने से पहले ही फ्लॉप हो गई। गांव में जैसे ही इस रिश्ते की भनक लगी माहौल बदलने लगा। फुसफुसाहटें बढ़ीं फिर तनातनी शुरू हो गई। और तभी कुछ लोगों ने इस पूरे मामले को हिंदू-मुस्लिम रंग देने की कोशिश कर दी जैसे कहानी के किरदार ही बदल दिए गए हों। गांव का माहौल सुलगने लगा...मकनपुर चौकी इंचार्ज और हल्का इंचार्ज तक दबाव महसूस करने लगे.लेकिनज्अरौल थाना प्रभारी–जिन्हें इलाके में पुलिस महकमे में क्राइम समझने का माहिर माना जाता है।

उन्होंने पहली नजर में ही मामला भांप लिया। उन्हें कहानी में कुछ गड़बड़ लगी।फिर शुरू हुई जांच एक-एक कड़ी जोड़ी गईज्और देखते ही देखते पूरी कहानी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। जो मामला प्रेम प्रसंग का था उसे साजिश बनाकर पेश किया जा रहा था। लेकिन पुलिस की सतर्कता ने समय रहते सच सामने ला दिया।और गांव के माहौल को बिगाड़ने वाले दोनों समुदाय के लोगों को हवालत भेज दिया।

### बड़े का गोश्त मंगा लो

अरौल पुलिस की जांच में एक अहम सुराग उस समय हाथ लगा, जब करीब तीन मिनट का एक ऑडियो सामने आया। इस ऑडियो ने पूरे मामले की हकीकत उजागर कर दी और पुलिस ने राहत की सांस ली। ऑडियो में एक युवक और युवती के बीच बातचीत सुनाई दे रही है। बातचीत के दौरान युवक उस लड़की का जिक्र करता है, जिससे उसके संबंध बताए जा रहे थे। आगे बातचीत में युवक कथित तौर पर कहता है।बड़े का गोश्त मंगा लो, मन भी हैजगिस पर युवती उसे टालते हुए जवाब देती है। बातचीत आगे बढ़ती है, जिसमें युवक किसी नौशाद नाम के व्यक्ति से विवाद का जिक्र करता है। हालांकि ऑडियो की पुष्टि स्वराज इंडिया नहीं करता है। पुलिस का कहना है कि जो युवक लड़की से बात कर रहा है वह आशीष है।

### माहौल बिगाड़ने की साजिश में वायरल किया गया 'प्रतिबंधित मांस' वाला वीडियोः अरौल इंस्पेक्टर

अरौल क्षेत्र में नाबालिग से जुड़े प्रेम प्रसंग के बीच माहौल बिगाड़ने की कोशिश सिर्फ अफवाहों तक सीमित नहीं रही,बल्कि एक कथित 'प्रतिबंधित मांस' का वीडियो भी वायरल किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि यह वीडियो भी उसी साजिश का हिस्सा था, जिसका मकसद गांव में साम्प्रदायिक तनाव फैलाना था।रौगांव गांव से जुड़ा करीब 38 सेकेंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें एक युवक आरोप लगाता दिख रहा है कि उसे दूसरे समुदाय के लोगों ने चिकन के बहाने प्रतिबंधित मांस खिला दिया गया। वीडियो सामने आते ही मामला तूल पकड़ने लगा और इसे अलग-अलग मंचों तक पहुंचाया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में तस्वीर कुछ और ही निकली। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच पहले से आपसी रंजिश चली आ रही थी। इसी रंजिश के चलते सुनियोजित तरीके से वीडियो बनाकर वायरल किया गया, ताकि माहौल को भड़काया जा सके। अरौल इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले में पहले मारपीट और विवाद भी हुआ था। जांच में यह भी सामने आया कि पूर्व में दोनों पक्षों के बीच विवाद दर्ज है। पूरे घटनाक्रम को साम्प्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई थी।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के पांच लोगों को माहौल बिगाड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इनमें निर्भय सिंह, विजय तथा दूसरे पक्ष से इरफान, अयान और इशरत शामिल हैं। वीडियो बनाने वाला युवक आशीष भी कार्रवाई की जद में आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो की पुष्टि आपका अपना स्वराज इंडिया के पुष्टि नहीं करता है। अरौल इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रेम प्रसंग से जुड़ी कोई शिकायत थाने नहीं आई है।

# अगरबत्ती कारखाने में भीषण आग, लाखों का नुकसान

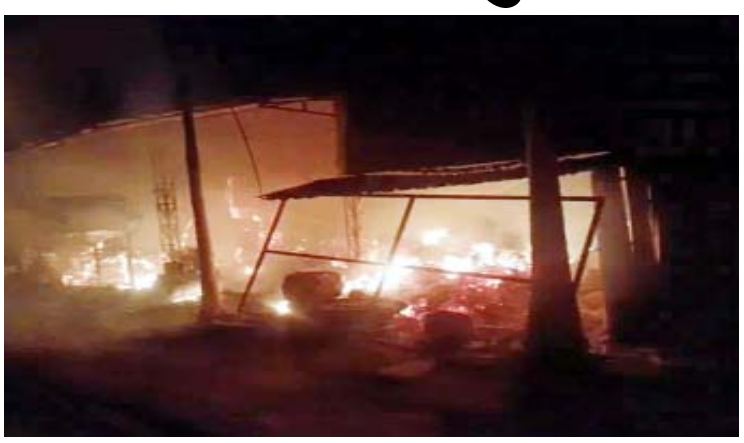

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)।** चौबेपुर थाना क्षेत्र के तातियागंज में रविवार रात एक अगरबत्ती कारखाने में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि मौके पर मौजूद कर्मचारियों को जान बचाकर बाहर भागना पड़ा। देखते ही देखते कारखाना धू-धू कर जलने लगा और भारी नुकसान हो गया।

जानकारी के मुताबिक, बारादेवी निवासी शैलेंद्र पाल तातियागंज में ग्रीन एनर्जी नाम से अगरबत्ती बनाने का कारखाना चलाते हैं। रविवार रात करीब 8ः30 बजे कारखाने में मशीनें चल रही थीं और काम जारी था, तभी अचानक आग लग गई। कर्मचारियों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कुछ ही देर में लपटों ने विकराल रूप ले लिया।कर्मचारियों ने बताया कि आग कैसे लगी, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आग लगते ही सभी लोग बाहर निकल आए और आसपास के ग्रामीणों को सूचना दी गई। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर समरसेबल पंप के जरिए आग

### ➪ एक घंटे तक नहीं पहुंची फायर ब्रिगेड, ग्रामीणों ने समरसेबल से पाया काबू

बुझाने का प्रयास शुरू किया। घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन करीब एक घंटे तक दमकल की गाड़ियां मौके पर नहीं पहुंच सकीं। इस दौरान स्थानीय लोगों और कर्मचारियों ने ही मशक्कत कर आग पर काफी हद तक काबू पाया, लेकिन तब तक कारखाना लगभग पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था।

सूचना पर थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि आग में कारखाने का अधिकांश सामान जल गया है, जिससे लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है। फिलहाल, संचालक को घटना की जानकारी दे दी गई है और आगे की कार्रवाई जारी है।

# समझौता न करने पर बेटे पर जानलेवा हमला, पहले हो चुकी है पिता की हत्या

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**शिवराजपुर/बिल्हौर(कानपुर)।** शिवराजपुर थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश का मामला फिर से तूल पकड़ता नजर आ रहा है। पिता की हत्या के मामले में चल रहे मुकदमे के बीच आरोपियों ने अब बेटे पर हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि समझौते का दबाव बनाया जा रहा था और मना करने पर वारदात को अंजाम दिया गया।

हरनू गांव निवासी शिव प्रताप सिंह के मुताबिक, उनके पिता विजय प्रताप सिंह पर 7 नवंबर 2023 को शुक्लापुर गांव के पास शराब ठेके के सामने ग्राम प्रधान रणजीत यादव, उनके भाई राजेश यादव समेत अन्य लोगों ने ईंट-पत्थर और कुल्हाड़ी से हमला किया था। गंभीर रूप से घायल विजय प्रताप की 17 नवंबर को इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में तीन नामजद सहित अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था, जो फिलहाल अंतिम चरण में है। पीड़ित का आरोप है कि मुकदमे को खत्म कराने के लिए लगातार समझौते का दबाव बनाया जा रहा था। रविवार रात जब शिव प्रताप सिंह अपनी बहन के पास जा रहे थे, तभी घटनास्थल के पास ही आरोपी राजेश यादव अपने साथी मोहित के साथ बाइक से पहुंचे और उन्हें रोक लिया।बताया गया कि आरोपियों ने पांच लाख रुपये लेकर समझौता करने की बात कही। इंकार करने पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया गया।

हेलमेट होने से सिर बच गया, लेकिन पीठ पर चोट लगने से शिव प्रताप गिर पड़े। किसी तरह जान बचाकर पास के गेहूं के खेत में भागे। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी भी देते रहे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को सीएचसी भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर हैलट अस्पताल रेफर किया गया। पीड़ित ने आरोपियों की जमानत निरस्त करने और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

# बुकिंग के बाद भी नहीं मिला सिलेंडर, वेंडर पर हेराफेरी का आरोप

स्वराज इंडिया ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** कस्बे में गैस सिलेंडर वितरण को लेकर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। बुकिंग के बावजूद उपभोक्ता को सिलेंडर नहीं मिला, जबकि रिकॉर्ड में डिलीवरी दिखा दी गई। पीड़ित दिलशाद के भाई वकार ने बताया कि 28 तारीख को सिलेंडर बुक कराया गया था। जब वह सिलेंडर लेने पहुंचे तो उन्हें बताया गया कि उनके ओटीपी के जरिए सिलेंडर पहले ही उठाया जा चुका है। यह सुनकर वे हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें कोई सिलेंडर मिला ही नहीं था। आरोप है कि बस्ती में सक्रिय एक कथित वेंडर ने पूरे मामले में हेराफेरी की है। पीड़ित जब गैस एजेंसी पहुंचा तो उसकी उपभोक्ता कॉपी में सिलेंडर डिलीवर दिखाया गया, जबकि हकीकत में उसे सिलेंडर नहीं मिला।

### ➪ ओटीपी से दिखा दी डिलीवरी, उपभोक्ता रह गया खाली हाथ

वकार के अनुसार, उनके भाई दिलशाद (निवासी लोहिया नगर) की आईडी से सिलेंडर बुक हुआ था, लेकिन एजेंसी का कहना है कि सिलेंडर पहले ही दिया जा चुका है। पीड़ित का आरोप है कि एजेंसी की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा। आरोप लगाया है कि मेरी ओटीपी से सिलेंडर बेंच दिया गया।इसकी शिकायत अधिकारियों से करेंगे। वहीं मामले में यह भी सामने आया है कि क्षेत्र कई उपभोक्ताओं को भी इसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे गैस वितरण व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

# औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया में सड़क पर पड़ी गिट्टियां दे रही है खतरे का पैगाम

## प्रर्दशन करके जताया जबरदस्त विरोध, सीडा प्रशासन की काम में लापरवाही की खोली पोल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**मुंगराबादशाहपुर।औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया में अटल मिशन योजना के अंतर्गत सड़क निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जो करीब छह माह से आधा अधूरा काम कराकर छोड़ दिया गया है। उस पर उतराई गिट्टियां व बीच बीच में बने गड्ढे हमेशा मौत का पैगाम देता रहता है। फिर भी संबंधित जिम्मेदार निजात दिलाने के बजाय हाथ खड़े कर दिए हैं। जो सीडा प्रशासन की काम में लापरवाही की पोल खोल दी है।**

इसी को लेकर कालोनीवासियों ने रविवार को जबरदस्त विरोध प्रर्दशन किया। चेताया कि अगर तत्काल इस समस्या पर ध्यान नही दिया गया तो एक बड़ा आंदोलन खड़ा करने के लिए बाध्य होंगे। सतीश पाण्डेय, अरुण तिवारी, कृष्णा कुमार, निगम जी,बबलू, दिनेश कुमार आदि का कहना है कि सड़कों पर केवल गिट्टी व राबिस डाल कर छोड़ दिया गया है।

बीच-बीच में गढ्ढा का रूप भी ले लिया है। जिस पर आना जाना लोगों के लिए जोखिम भरा हो गया है। वहीं उड़ती धूल आंखों में चला जा रहा है। बताया है कि इसके चलते उद्यमियों , राहगीरों तथा फैक्ट्री में काम कर रहे श्रमिकों के लिए काफी मुसीबत खड़ा कर दिया है। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत मजदूरों को हो रही है। उन्हें ठेले से माल फैक्ट्री में पहुंचाने व लाने में बहुत जलालत झेलनी पड़ रही है। आएदिन कोई न कोई गिरकर चोटिल भी हो जा रहे है। और तो और यह समस्या बरसात में यहां के लोगों के लिए और भयावह हो जाएगा। कालोनीवासियों ने जिला प्रशासन से इस जान लेवा समस्या से निजात दिलाने के लिए पुर जोर मांग की है।इस संबंध में उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक ने बताया कि बरसात के पहले सड़क बन कर तैयार हो जाएगी।

# कायमगंज- जलालाबाद रेल लाइन की मांग की गई तेज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। विकास खंड शमसाबाद क्षेत्र के लोधी आलोक राजपूत ने सांसद मुकेश राजपूत को पत्र लिखकर कायमगंज, शमसाबाद से होते हुए ढाईघाट और जलालाबाद (शाहजहांपुर) तक नई रेल लाइन निर्माण की मांग की है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र लंबे समय से बेहतर यातायात सुविधाओं से वंचित है, जिससे किसानों, मजदूरों और आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।ढाईघाट मेला क्षेत्र में हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, लेकिन रेल संपर्क न होने से दिक्कतें बनी रहती हैं। प्रस्तावित रेल लाइन बनने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलेगी और मजदूरों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। साथ ही सस्ते और सुगम यातायात की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने जनहित में इस परियोजना को प्राथमिकता देकर शीघ्र कार्यवाही की मांग की है।

# डीएम जालौन की बेटी आदिति पाण्डेय बनीं तहसीलदार, प्रदेश में चमका सुल्तानपुर का नाम



» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ([illegible]) 2024 के घोषित परिणाम में सुल्तानपुर जनपद की आदिति पाण्डेय ने शानदार सफलता हासिल कर तहसीलदार पद पर चयन प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे जनपद में खुशी की लहर दौड़ गई है।

आदिति पाण्डेय, जनपद जालौन में विकास कार्यों को नई दिशा देने वाले 2012 बैच के आईएएस अधिकारी और वर्तमान में डीएम राजेश कुमार पाण्डेय की पुत्री हैं। आदिति ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर यह मुकाम हासिल कर यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता।रविवार देर रात जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, परिजनों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सुबह से ही उनके आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। रिश्तेदारों, मित्रों और क्षेत्रवासियों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया।

आदिति की प्रारंभिक शिक्षा से जुड़े गुरुजनों ने भी उनकी सफलता पर गर्व जताया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि आदिति हमेशा से मेधावी और लक्ष्य के प्रति समर्पित छात्रा रही हैं।

आदिति पाण्डेय की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे सुल्तानपुर जनपद के लिए भी सम्मान की बात है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को नई प्रेरणा मिलेगी और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों में उत्साह का संचार होगा।

# पाइपलाइन लीकेज पर अफसर बेपरवाह, जलभराव से जनता बेहाल

## पटेल नगर में दूषित पानी की सप्लाई का खतरा, बीमारी फैलने की आशंका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर कस्बे के पटेल नगर क्षेत्र में जल निगम की पाइपलाइन लीकेज की समस्या अब गंभीर जनसमस्या बन चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अफसरों की लापरवाही के चलते हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। करीब एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो लीकेज की मरम्मत कराई गई और न ही जलभराव की समस्या का समाधान किया गया है।

पटेल नगर के दमनपुर स्थित एमआरएफ सेंटर परिसर में बनी पानी की टंकी से पूरे इलाके में पेयजल आपूर्ति की जाती है। इसी लाइन में कई जगहों पर लीकेज हो जाने से रोजाना सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बह रहा है। इस्लाम की पेटी के सामने पिछले एक महीने से पाइपलाइन फटी हुई है, जिससे लगातार जलभराव बना रहता है। सड़क किनारे रहने वाले साबिर और नव्वी के घरों के सामने भी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है। यहां पानी के रिसाव से सड़क पर गड्ढे बन गए हैं और कीचड़ फैल गया है, जिससे लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि जलभराव के



कारण ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है, जिससे उनके व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि लीकेज नाले के पास होने के कारण दूषित पानी पाइपलाइन में मिलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जब पानी की सप्लाई बंद होती है तो नाले का गंदा पानी पाइपलाइन में घुस जाता है और सप्लाई शुरू होते ही वही गंदा पानी घरों के नलों तक पहुंचता है। इससे क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने कई बार जल निगम के अधिकारियों से



शिकायत की, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला। कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया। लोगों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी समस्या को लेकर पूरी तरह उदासीन हैं और किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों में अब आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे जल निगम के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। वहीं, जल निगम के जेई श्याम शंकर गुप्ता का कहना है कि पाइपलाइन लीकेज की जानकारी मिली है और जल्द ही मरम्मत कार्य कराया जाएगा।

# डंपर की टक्कर से ऑटो चालक की मौके पर मौत

## सवारियां उतारते समय हुआ हादसा, परिवार में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राजपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में ऑटो चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना रात करीब 10 बजे पैलावर गांव के सामने मुगल रोड पर हुई, जब तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे सवारियां उतार रहे ऑटो चालक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।मृतक की पहचान पटेल नगर निवासी अंकित पाण्डेय (25) के रूप में हुई है। वह ऑटो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया गया कि अंकित भोगनीपुर से सवारियां लेकर राजपुर पहुंचे थे और सड़क किनारे ऑटो खड़ी कर यात्रियों का सामान उतार रहे थे, तभी सिकंदरा की ओर से आए तेज रफ्तार डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि अंकित पाण्डेय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए।मृतक की पत्नी शालिनी पाण्डेय, मां मीनू देवी सहित बड़े भाई अशोक, अनिल, मानू और विशाल पांडेय मौके पर पहुंचे। अंकित का शव देखते ही परिवार में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष सनत कुमार ने बताया कि फरार चालक की तलाश की जा रही है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि मुगल रोड पर तेज रफ्तार भारी वाहनों से आए दिन हादसे हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और स्पीड कंट्रोल के उपाय लागू करने की मांग की है।

मृतक की फाइल फोटो

# चोरों के संगठित गिरोह पर कसा शिकंजा, तीन शातिरों पर लगा गैंगस्टर

## शातिरों की आपराधिक गतिविधियों का लंबा इतिहास सामने आया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने सख्त कदम उठाते हुए एक संगठित गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गैंग बनाकर क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले तीन शातिरों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

भोगनीपुर कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया गिरोह काफी समय से सक्रिय था और योजनाबद्ध तरीके से चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। इस गिरोह का सरगना गुलशन उर्फ गोलू सिंह निवासी सलेमपुर थाना राजपुर है, जबकि गैंग के अन्य सदस्य सुरजीत सिंह निवासी सलेमपुर थाना राजपुर तथा सत्यम दुबे निवासी पिथऊपुर थाना सिरसाकलार जनपद जालौन हैं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों शातिर मिलकर एक संगठित गिरोह बनाकर क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। शातिरों के खिलाफ पूर्व में भी कई चोरी के मुकदमे दर्ज हैं, जिससे इनकी आपराधिक गतिविधियों का लंबा इतिहास सामने आया है। कोतवाल ने बताया कि गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई का उद्देश्य ऐसे अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ना और क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। पुलिस अब आरोपियों की संपत्ति का भी ब्योरा जुटा रही है, ताकि आगे चलकर गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्की जैसी सख्त कार्रवाई भी की जा सके। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में अपराधियों में हड़कंप मच गया है, वहीं आम नागरिकों ने पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है।

# बड़ी माता मंदिर में आस्था का सैलाब

» धूमधाम से निकली जवारे विसर्जन यात्रा

» गोपालपुर में विसर्जन यात्रा से पहले भक्तों ने सांग भेद की परंपरा निभाई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के गांव गोपालपुर में स्थित बड़ी माता मंदिर परिसर उस समय पूरी तरह भक्ति और श्रद्धा में डूब गया, जब जवारे विसर्जन यात्रा पूरे विधि-विधान और पारंपरिक उत्साह के साथ निकाली गई। गांव की गलियों से गुजरती यह यात्रा आस्था, संस्कृति और एकता का अनूठा संगम बन गई।नवरात्रि पर बोए गए जवारे, जिन्हें विश्वनाथ यादव द्वारा श्रद्धापूर्वक तैयार किया गया था, उनका आज विधिवत पूजन-अर्चन कर विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा से पहले भक्तों ने सांग भेद की परंपरा निभाते हुए माता रानी की आराधना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और युवा भक्त शामिल हुए। पूरे रास्ते ÷जय माता दी÷ के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नृत्य करते हुए आगे बढ़े, जिससे पूरा गांव भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान दीपेंद्र यादव ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन गांव में आपसी भाईचारा और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करते हैं।इस मौके पर वासुदेव, मयंक, कुलदीप, नितिश, जिलेदार यादव, मोनू, रामचरण, ऋषि, रानी, साधना, सोना, मोना और अनामिका सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने पूरे उत्साह के साथ माता रानी की पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। ग्रामीणों का कहना है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी जवारे विसर्जन यात्रा ने गांव में उत्सव जैसा माहौल बना दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे गोपालपुर की धार्मिक पहचान और भी सशक्त हुई।

# उमड़ पड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, कड़ी सुरक्षा के बीच निकली भव्य शोभायात्रा

## हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, शांतिपूर्ण संपन्न हुआ ऐतिहासिक आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रामनवमी के पावन पर्व पर जनपद के सरवनखेड़ा क्षेत्र में निकली भव्य एवं विराट शोभायात्रा इस वर्ष जिला स्तरीय आयोजन के रूप में स्थापित हुई। सरवनखेड़ा मेला मैदान से प्रारंभ होकर गजनेर स्थित पृथ्वीराज चौहान चौराहे तक पहुंची इस विशाल आस्था यात्रा में ÷जय श्रीराम÷ के गगनभेदी उद्घोषों के बीच हजारों सनातन श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। पूरे मार्ग पर भगवा ध्वजों और भक्ति के रंग में रंगा वातावरण जनमानस को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत करता रहा।

शोभायात्रा का शुभारंभ सरकार बाबा बजरंगबली मंदिर, सरवनखेड़ा मेला मैदान से हुआ।इसके उपरांत यात्रा पुनः सरवनखेड़ा के लिए रवाना हुई और मेला मैदान में विधिवत सम्पन्न हुई।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लेकर वाहनों एवं पैदल समूहों के साथ आगे बढ़ते रहे। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत किया गया,

जिससे वातावरण पूर्णतः भक्तिमय एवं भावविभोर हो उठा। यह आयोजन न केवल सनातन संस्कृति की सुदृढ़ता का प्रतीक बना, बल्कि भगवान श्रीराम के आदर्शों के व्यापक प्रसार का सशक्त माध्यम भी सिद्ध हुआ।

शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। गजनेर एवं रनिया थानों की पुलिस फोर्स पूरे मार्ग पर तैनात रही। साथ ही जिले की एलआईयू टीम भी निगरानी में सक्रिय रही। प्रशासन की मुस्तैदी के चलते यह विशाल आयोजन पूर्णतः शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ।

इस भव्य आयोजन का नेतृत्व बजरंग दल के जिला सह संयोजक हिमांशु परिहार ने किया। कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिंह परिहार प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त प्रांत सह संयोजक अमरनाथ जी, प्रांत विद्यार्थी प्रमुख नरेश तोमर जी, प्रांतीय समरसता प्रमुख राज रावत जी, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश जी, जिला सह मंत्री धीरेन्द्र जी, पूर्णकालिक चंद्रभान जी, जिला विद्यार्थी प्रमुख विक्की जी, मठ-मंदिर प्रमुख आशीष जी, अमन सिंह, विकास परिहार, शिवराज सिंह, रोहित सिंह सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रखंड स्तर पर धर्मेंद्र जी (उपाध्यक्ष), विकास जी (उपाध्यक्ष), शिव प्रताप जी (गोरक्षा प्रमुख), मुनेश जी (मंत्री), प्रखंड संयोजक अनुराग, आयुष जी, अनुभव जी (सह संयोजक), रवि जी (पूर्व जिला प्रचार-प्रसार), शैलेंद्र जी, रामू जी, प्रशांत जी, उमेश जी, कल्लू जी, आलोक जी, राजू तथा समाजसेविका दीपिका सेंगर सहित समस्त कार्यकारिणी का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष राज किशोर सिंह परिहार ने सभी सनातन श्रद्धालुओं, कार्यकर्ताओं एवं पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को ऐतिहासिक एवं अत्यंत सफल बताया।

# नवरात्रि के शुभ अवसर पर

# कानपुर विकास प्राधिकरण

द्वारा

## विभिन्न योजनाओं में आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का ई-ऑक्शन

**पहले भूखण्ड देखें**

**571**

भूखण्डों (प्लॉट्स) का

**ई-ऑक्शन**

**फिर बोली लगाएं**

**ई-ऑक्शन हेतु पंजीकरण अवधि**
**23.03.2026 पूर्वान्ह 11 बजे से**
**21.04.2026 अपरान्ह 5 बजे तक**

**ई-ऑक्शन में बोली लगाने की अवधि**
**24.03.2026 पूर्वान्ह 11 बजे से**
**22.04.2026 अपरान्ह 5 बजे तक**

### ई-ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापित आवासीय/गैर आवासीय भूखण्डों का विवरण

| क्रम सं. | योजना का नाम | क्षेत्रफल (वर्गमी.) | भू-उपयोग | भूखण्डों की संख्या | न्यूनतम आरक्षित दर प्रति वर्ग मी. (रू. में) |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | महावीर नगर विस्तार योजना | 517-798 | नर्सरी स्कूल | 05 | 40000 |
| 02 | महावीर नगर विस्तार योजना | 1832.90 | नर्सिंग होम | 1 | 60000 |
| 03 | शताब्दी नगर योजना | 977 | पेट्रोल पम्प | 1 | 78000 |
| 04 | मन्दाकिनी इन्क्लेव | 582 | नर्सिंग होम | 1 | 60000 |
| 05 | महावीर नगर विस्तार | 86-1091 | व्यवसायिक | 66 | 90000 |
| 06 | शताब्दी नगर | 112.50-200 | व्यवसायिक | 33 | 90000 |
| 07 | स्टेडियम (दुकान/कॉम्प्लेक्स) | 12.58-2713.22 | व्यवसायिक | 49 | 56700-139300 |
| 08 | पनकी भौसिंह(रेस्ट एण्ड रिफ्रेश) | 1426.88 | व्यवसायिक | 01 | 96000 |
| 09 | पनकी | 561 | नर्सिंग होम | 01 | 51950 |
| 10 | पनकी | 260.30-271.00 | व्यवसायिक | 02 | 67500-74200 |
| 11 | कैटिल कालोनी | 144-925 | व्यवसायिक/ दुग्ध व्यवसाय | 06 | 15000-60000 |
| 12 | न्यू ट्रान्सपोर्ट नगर | 90.00-2031.92 | व्यवसायिक | 232 | 38000 |
| 13 | जवाहरपुरम | 200 | आवासीय | 03 | 36900 |
| 14 | शताब्दी नगर | 112.50-200 | आवासीय | 08 | 40000 |
| 15 | भागीरथी एवं जाहन्वी | 112.50-5596.28 | व्यवसायिक | 97 | 50500-80850 |
| 16 | स्वर्ण जयन्ती विहार | 24.68 | दुकान | 02 | 56000 |
| 17 | किदवई नगर वाई-1 | 167.29 | व्यवसायिक | 11 | 90000 |
| 18 | सुजातगंज | 167.22-297.66 | आवासीय | 10 | 46000-50600 |
| 19 | स्वर्ण जयन्ती विहार | 112.50-180 | आवासीय | 01 | 38000 |
| 20 | जवाहरपुरम् सेक्टर-1ए | 1012.50 | व्यवसायिक | 10 | 78000-102000 |
| 21 | बर्रा-२ | 200 | व्यवसायिक | 03 | 65000-75000 |
| 22 | तात्याटोपे नगर | 196.27-1353 | व्यवसायिक | 22 | 71000 |
| 23 | यू०पी०यू०डी०पी० (कारगिल पेट्रोल पम्प) | 1960-2093 | ग्रुप हाउसिंग | 02 | 51000 |
| 24 | यू०पी०यू०डी०पी० (कारगिल पेट्रोल पम्प) | 2799-4662 | मिक्स यूज | 02 | 75000 |
| 25 | यू०पी०यू०डी०पी० (कारगिल पेट्रोल पम्प) | 9159 | शॉपिंग मॉल/मिक्स यूज | 01 | 75000 |
| 26 | यू०पी०यू०डी०पी० (कारगिल पेट्रोल पम्प) | 2326 | होटल | 01 | 65000 |

*ई-ऑक्शन के लिए अधिकृत **इण्डियन बैंक**

विस्तृत विवरण तथा नियम व शर्तें प्राधिकरण की वेबसाइट www.kdaindia.co.in के ई-ऑक्शन पोर्टल पर उपलब्ध है।

भूखण्डों के नम्बर एवं वास्तविक क्षेत्रफल/दर के सम्बन्ध में वेबसाइट पर देखकर ही पंजीकरण/बोली लगायें।

**अभय कुमार पाण्डेय**
सचिव

**मदन सिंह गर्ब्याल**
उपाध्यक्ष

www.kdaindia.co.in | kda.co.in | @kdakanpur | kdakanpur | kdakanpur

## महिला नेतृत्व की मिसाल

# महिला अफसरों के हाथों में लखीमपुर की कमान

**» डीएम, एसपी और डीएफओ के रूप में महिलाओं ने संभाली जिम्मेदारी**

**» जिले के विकास, सुरक्षा और पर्यावरण में दिख रहा तगड़ा असर**

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

**➪ तीनों प्रमुख विभागों में महिला नेतृत्व से प्रशासनिक संतुलन मजबूत**

**➪विकास, सुरक्षा और पर्यावरण—तीनों मोर्चों पर सक्रिय कार्यशैली**

**➪सीमावर्ती और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंच बनाकर बदलाव की पहल**

**➪महिला सशक्तिकरण को जमीनी स्तर पर मिल रहा नया आयाम**

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े जनपद लखीमपुर खीरी में इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्था महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बनकर उभर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिले की प्रमुख जिम्मेदारियां तीन महिला अधिकारियों जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग और डीएफओ कीर्ति चौधरी को सौंपे जाने से प्रशासन में एक नया अध्याय शुरू हुआ है। यह न केवल शासन की सोच को दर्शाता है, बल्कि समाज में महिलाओं की निर्णायक भूमिका को भी मजबूती देता है।

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल जनपद के समग्र विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर लगातार सक्रिय हैं। उन्होंने विकासखंड निघासन के नेपाल सीमा से सटे अंतिम गांव चौगुर्जी को गोद लेकर वहां विकास की नई तस्वीर गढ़ी है। गांव तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए पैंटून पुल का निर्माण कराया गया

और स्वयं कई बार मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। बिजली, शिक्षा और आवास जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर उनके प्रयासों से प्रशासनिक संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता साफ झलकती है।

वहीं हाल ही में तैनात पुलिस अधीक्षक ख्याति गर्ग कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त और प्रभावी रुख के लिए जानी जाती हैं। उनकी कार्यशैली से जिले में अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और पुलिसिंग में सुधार की नई उम्मीद जगी है।

दुर्गा शक्ति नागपाल, डीएम लखीमपुर खीरी

डॉ0 ख्याति गर्ग, एसपी लखीमपुर खीरी

कीर्ति चौधरी, डीएफओ लखीमपुर खीरी

तेजतर्रार छवि वाली आईपीएस अधिकारी के रूप में उनसे बेहतर कानून व्यवस्था की अपेक्षा की जा रही है।उधर डीएफओ कीर्ति चौधरी वन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। अवैध कटान पर रोक, वन्यजीव संरक्षण और हरित क्षेत्र के विस्तार के लिए उनके प्रयास जिले को पर्यावरणीय संतुलन की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

जिले के तीन अहम विभागों की बागडोर महिला अधिकारियों के हाथों में होना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि प्रदेश में महिलाओं को नेतृत्व के केंद्र में लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। लखीमपुर खीरी में यह तिकड़ी न केवल प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण बन रही है, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण की प्रेरक कहानी भी लिख रही है।

# मासूम को निवाला बनाने वाला तेंदुआ पिंजरे में कैद

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। वन क्षेत्र बेलरायां अंतर्गत फुटहा फार्म में मासूम बच्ची को अपना शिकार बनाने वाला तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के लगाए पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है।बताया जाता है कि बीते बुधवार की शाम जोगा सिंह की सात वर्षीय पुत्री सिमरन घर में खाना खा रही थी, तभी अचानक एक तेंदुआ घर में घुस आया और माता-पिता के सामने ही उसे जबड़ों में दबोचकर उठा ले गया। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, जिसके बाद करीब 500 मीटर दूर खेत में बच्ची का शव बरामद हुआ। इस हृदयविदारक घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। किसानों और ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन कर तेंदुए को जल्द पकड़ने की मांग की। दबाव के चलते वन विभाग ने इलाके में पिंजरे लगाकर उसमें बकरी को शिकार के रूप में बांधा।शनिवार की रात भोजन की तलाश में तेंदुआ पिंजरे के पास पहुंचा और बकरी को खाने के प्रयास में खुद ही पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी और राहत का माहौल है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए तेंदुए का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जाएगा, जिसके बाद उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की प्रक्रिया की जाएगी।

**ग्रामीणों ने ली राहत की सांस**

# करणी सेना महिला शक्ति की राष्ट्रीय महामंत्री बनीं सौम्या मिश्रा

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ । करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पाल सिंह अम्मू के निर्देश पर एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है।

करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला शक्ति करणी सेना विदुषी सिंह व राष्ट्रीय संगठन मंत्री राखी गर्ग ने सौम्या मिश्रा फैजाबाद अयोध्या को राष्ट्रीय महामंत्री करणी सेना महिला शक्ति नियुक्त किया .

करणी सेना के गठन के कार्य में पूर्ण सहयोग की उम्मीद की गई है सौम्या मिश्रा ने बताया कि 100त्न सहयोग व समाज की सेवा करूंगी सेना द्वारा दिए गए दायित्व का पूर्ण निर्वहन करूंगी ,राष्ट्रीय मंत्री बनने पर जिले व प्रदेश समाज में खुशी की लहर है जिसमें मुख्य रूप से करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष आशीष सिंह÷ राजा÷, अभिनव प्रताप सिंह ,वीर प्रताप सिंह ,बलराम शुक्ला ,राखी गर्ग ,अमित द्विवेदी , एम के शुक्ला ,दीपक दीक्षित,पंकज दीक्षित ,पवन व सैकड़ों लोगों ने खुशी व्यक्त किया है.

## 6 हजार रुपये मांगने के आरोप में दरोगा सस्पेंड

**स्वराज इंडिया ब्यूरो** -लखीमपुर खीरी। सिंगाही थाने में तैनात दरोगा मोहित सिंह को एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने सस्पेंड कर दिया है। दरोगा का एक ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई। वायरल ऑडियो में आरोप लगाया गया कि दरोगा मुकदमे से कुछ धाराएं हटाने के नाम पर पीड़ित से पैसे की मांग कर रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी ने तत्काल प्रभाव से दरोगा को निलंबित कर जांच के आदेश भी दे दिए हैं। जानकारी के अनुसार सिंगाही थाना क्षेत्र में खेत में बकरी चराने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया था, जिसके बाद 9 मार्च को मुकदमा दर्ज किया गया। इस मामले की विवेचना दरोगा मोहित सिंह कर रहे थे। इसी दौरान एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें पीड़ित ने आरोप लगाया कि मुकदमे से कुछ धाराएं हटाने के एवज में दरोगा ने 6 हजार रुपये की मांग की।

# अयोध्या की अनामिका मिश्रा बनीं डिप्टी कलेक्टर, यूपीपीएससी में चौथी रैंक

## प्राथमिक शिक्षक से प्रशासनिक सेवा तक का सफर, तीसरे प्रयास में हासिल की बड़ी सफलता

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की होनहार बेटी अनामिका मिश्रा ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा में चौथी रैंक प्राप्त कर डिप्टी कलेक्टर पद हासिल किया है।

साकेतपुरी कॉलोनी की रहने वाली अनामिका वर्तमान में बस्ती जिले में प्राथमिक शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।तीसरे प्रयास में मिली इस सफलता से अनामिका बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने अपनी उपलब्धि का श्रेय परिवार के सहयोग और ईश्वर के आशीर्वाद को दिया। उनका कहना है कि समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना ही उनका लक्ष्य है। अनामिका के पिता एमएन मिश्र रेलवे में स्टेशन अधीक्षक (गोशाईगंज) के पद पर तैनात हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा कैनोसा कॉन्वेंट इंटर कॉलेज से हुई,

जबकि बीएससी की पढ़ाई अवध विश्वविद्यालय से पूरी की। घर पर रहकर ऑनलाइन तैयारी करने वाली अनामिका ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उनकी सफलता पर संत समाज और विभिन्न संगठनों ने प्रसन्नता जताते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

## सरकारी धन के गबन में सहायक वेतन लिपिक दबोचा गया

» 12 मार्च को दर्ज हुआ था मुकदमा, एसएसपी के निर्देशन में हुई गिरफ्तारी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। सरकारी धन के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी पीयूष श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी न्यायालय में सहायक वेतन लिपिक के पद पर तैनात था और उस पर सरकारी धन के दुरुपयोग का गंभीर आरोप है।

इस मामले में 12 मार्च 2026 को मुकदमा दर्ज किया गया था, जिसके बाद पुलिस लगातार जांच में जुटी हुई थी। आखिरकार 28 मार्च को रामपथ स्थित सर्किट हाउस के पास से आरोपी को दबोच लिया गया। यह पूरी कार्रवाई एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन में की गई, जिसमें पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और यदि इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# नया घाट चौकी के सामने अश्लीलता प्रशासन बना मूकदर्शक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

» धार्मिक नगरी की गरिमा पर दाग, लता मंगेशकर चौराहे पर खुलेआम वीडियो प्रदर्शन

अयोध्याधाम। धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध अयोध्या धाम में एक बेहद शर्मनाक और चिंताजनक मामला सामने आया है। नया घाट चौकी के ठीक सामने स्थित लता मंगेशकर चौराहे पर खुलेआम अश्लील वीडियो के प्रदर्शन की सूचना ने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस स्थान पर यह गतिविधि हो रही है, वहीं पुलिस चौकी मौजूद है। इसके बावजूद न तो कोई तत्काल कार्रवाई नजर आई और न ही किसी जिम्मेदार अधिकारी की सक्रियता दिखी। इससे यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या प्रशासन इस तरह की घटनाओं से अनजान है या फिर जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि एक ओर सरकार अयोध्या को धार्मिक पर्यटन के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने में लगी है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की घटनाएं शहर की छवि को धूमिल कर रही हैं।

# अयोध्या में कैंसर इलाज को नई दिशा मैक्स हॉस्पिटल की विशेष ओपीडी शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने मेडिसिटी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, अयोध्या में विशेष ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की है। इस पहल की शुरुआत सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के प्रिंसिपल कंसल्टेंट डॉ. शशांक चौधरी की उपस्थिति में हुई।

अब डॉ. शशांक चौधरी हर महीने के तीसरे शनिवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अयोध्या में मरीजों को परामर्श और फॉलो-अप सुविधा देंगे। उन्होंने बताया कि कैंसर के सफल इलाज में समय पर पहचान बेहद जरूरी है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं। इम्यूनोथेरेपी और टार्गेटेड थेरेपी जैसी आधुनिक तकनीकों ने इलाज को अधिक प्रभावी बनाया है। इस ओपीडी के माध्यम से मरीजों को विशेषज्ञ सलाह और नवीनतम उपचार विकल्पों की जानकारी मिलेगी। इस पहल से अयोध्या के मरीजों को अब अपने ही शहर में उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

## मीडिया ट्रायल का मायाजाल

# क्या एक युवा चेहरे को 'अपराधी' बनाने की साजिश?

» जातीय खेमेबाज़ी, फर्जी मुकदमों का जाल और सच को निगलती डिजिटल भीड़

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या की सियासत में इन दिनों एक खामोश लेकिन खतरनाक खेल चल रहा है–नाम है मीडिया ट्रायल। निशाने पर हैं एक युवा नेता और समाजसेवी शिवेंद्र सिंह, जिनकी बढ़ती लोकप्रियता अब कुछ खास खेमों को रास नहीं आ रही। सपाट शब्दों में कहें तो यह कहानी आरोपों की नहीं, बल्कि आरोप गढ़ने की फैक्ट्री की है। जहां सच से ज्यादा शोर बिकता है और चरित्रहनन एक सुनियोजित रणनीति बन चुका है।

गोसाईगंज के जिस चर्चित मुकदमे की आड़ लेकर सोशल मीडिया पर शोर मचाया गया, उसमें आधिकारिक रिकॉर्ड ही सवाल खड़े कर देता है। मुकदमा अपराध संख्या-752/2017 पुलिस की वेबसाइट पर मौजूद ही नहीं। 189/2017–उसका भी कोई डिजिटल अस्तित्व नहीं। सूची में निल/2020 और निल/2021 जैसे नंबर खुद इस कथित आपराधिक इतिहास की पोल खोलते हैं और सबसे दिलचस्प–338/2018। यहां कोई आम वादी नहीं, बल्कि निषेधाज्ञा के दौरान पुलिस की ओर से दर्ज कार्रवाई। यानी, विरोध को अपराध का जामा पहनाने की पुरानी तरकीब।

स्वराज इंडिया अयोध्या

दुष्प्रचार बनाम जनाधार: अयोध्या में शिवेंद्र सिंह पर हमले, लेकिन जनता दे रही करारा जवाब

सवाल उठता है अगर आरोप हैं तो रिकॉर्ड कहां है? और अगर रिकॉर्ड नहीं, तो यह शोर किसके इशारे पर? सियासी गलियारों में चर्चा है कि एक जाति विशेष के कुछ प्रभावशाली चेहरे, उभरते जनाधार से असहज होकर छवि बिगाड़ो अभियान चला रहे हैं। सोशल मीडिया को हथियार बनाया गया है, जहां आधा सच और आधा झूठ मिलाकर पूरा भ्रम रचा जाता है, लेकिन ज़मीनी हकीकत अक्सर डिजिटल प्रोपेगेंडा को मात देती है। शिवेंद्र सिंह का जनसंपर्क, सामाजिक सक्रियता और जनता के बीच मौजूदगी इस बात का संकेत है कि कहानी उतनी सीधी नहीं, जितनी दिखाई जा रही है। यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं यह उस खतरनाक ट्रेंड का आईना है, जहां किसी को भी ट्रेंडिंग अपराधी बना देना अब मुश्किल नहीं रहा।

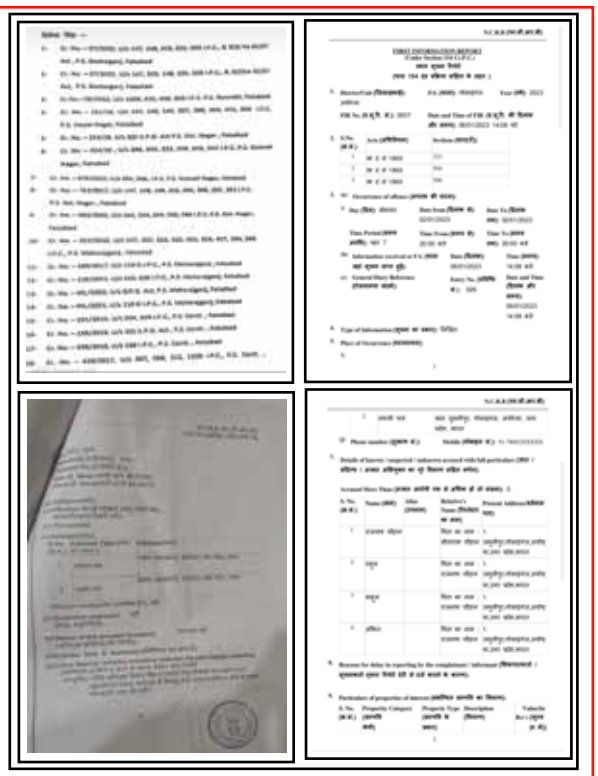

# कर्मचारियों का दबाव बढ़ा

# बड़े बदलावों की आहट

**फिटमेंट फैक्टर से लेकर न्यूनतम वेतन और पेंशन सुधार तक सरकारी कर्मचारियों की उम्मीदें बढ़ीं, सरकार के फैसले पर टिकी निगाहें**

## 8वें वेतन आयोग पर मंथन तेज

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** देशभर के करोड़ों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर हलचल तेज हो गई है। कर्मचारी संगठनों ने वेतन, भत्तों और पेंशन में व्यापक सुधार की मांग को लेकर सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। हालांकि, केंद्र सरकार की ओर से अभी तक आयोग के गठन को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन बढ़ती मांगों और बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच इस दिशा में जल्द कदम उठाए जाने की संभावना जताई जा रही है।

सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारी संगठन लंबे समय से वेतन संरचना में बदलाव, महंगाई के अनुरूप भत्तों में वृद्धि और पेंशन व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियों में वर्तमान वेतन ढांचा कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने में पर्याप्त नहीं रह गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि 8वें वेतन आयोग का गठन होता है और कर्मचारियों की प्रमुख मांगों को स्वीकार किया जाता है, तो इससे न केवल वेतन और पेंशन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी, बल्कि कर्मचारियों के जीवन स्तर में भी सुधार देखने को मिलेगा।

**सरकार का रुख और आगे की राहः** फिलहाल केंद्र सरकार की ओर से 8वें वेतन आयोग के गठन को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन कर्मचारियों के बढ़ते दबाव और आगामी राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए इस दिशा में जल्द निर्णय की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। आने वाले समय में सरकार का रुख तय करेगा कि करोड़ों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को कितना बड़ा आर्थिक राहत पैकेज मिलता है। फिलहाल, देशभर के कर्मचारियों की नजरें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

## कितनी बढ़ सकती है सैलरी? (उदाहरण सहित)

**लेवल-1 कर्मचारी (ग्रुप C)**
- मौजूदा बेसिकः 18,000
- फिटमेंट फैक्टर (2.57): 46,260 (कुल अनुमानित)
- प्रस्तावित फिटमेंट (3.68): 66,240
- संभावित बढ़ोतरीः करीब

**लेवल-6 कर्मचारी (ग्रुप B)**
- मौजूदा बेसिकः 35,400
- वर्तमान कुल (2.57 फैक्टर): 90,978
- प्रस्तावित (3.68 फैक्टर): 1,30,272
- संभावित बढ़ोतरीः करीब 35,000-40,000

**न्यूनतम वेतन श्रेणी**
- वर्तमान न्यूनतम वेतनः 18,000
- प्रस्तावितः 26,000-30,000
- सीधा लाभः 8,000-12,000 तक बढ़ोतरी
- DA मर्ज होने का असरः महंगाई भत्ता बेसिक में जुड़ने से भविष्य की सैलरी और पेंशन दोनों में स्थायी

## क्या होगा कुल असर?

- सैलरी में 30% से 50% तक बढ़ोतरी की संभावना
- पेंशनभोगियों को भी बड़ा फायदा
- सरकारी खर्च में भारी बढ़ोतरी, लेकिन बाजार में मांग भी बढ़ेगी

## किसे कितना फायदा?

- निचले वर्ग (ग्रुप C): सबसे ज्यादा राहत, सीधी सैलरी में बड़ा उछाल
- मिड लेवल (ग्रुप B ): वेतन + भत्तों में संतुलित और मजबूत वृद्धि
- वरिष्ठ कर्मचारी (ग्रुप A): कुल पैकेज में लाखों का सालाना इजाफा संभव
- पेंशनभोगीः न्यूनतम पेंशन बढ़ने और DA मर्ज से स्थायी लाभ
- एनपीएस कर्मचारीः पेंशन सुरक्षा बढ़ने की उम्मीद

## संभावित बड़े बदलाव

- **फिटमेंट फैक्टर में बढ़ोतरीः** मौजूदा 2.57 से बढ़ाकर 3.68 या उससे अधिक किए जाने की मांग, जिससे बेसिक वेतन में सीधा इजाफा संभव।
- **न्यूनतम वेतन में वृद्धिः** 18,000 रुपये से बढ़ाकर 26,000 से 30,000 रुपये तक करने का प्रस्ताव, जिससे निचले वर्ग के कर्मचारियों को राहत मिल सकती है।
- **महंगाई भत्ता (DA) मर्जः** छ को बेसिक वेतन में शामिल करने की मांग, जिससे कुल वेतन में स्थायी वृद्धि होगी।
- **भत्तों में सुधारः** एचआरए, टीए और मेडिकल भत्तों को महंगाई के अनुसार संशोधित करने पर जोर।
- **प्रमोशन सिस्टम में बदलावः** समयबद्ध और पारदर्शी प्रमोशन व्यवस्था लागू करने की मांग।
- **पेंशन व्यवस्था में सुधारः** न्यूनतम पेंशन बढ़ाने और महंगाई के अनुसार नियमित संशोधन की मांग तेज।
- **एनपीएस में बदलावः** नई पेंशन योजना को अधिक सुरक्षित और लाभकारी बनाने पर जोर।
- **ग्रेड पे/लेवल सिस्टम में संशोधनः** पे मैट्रिक्स को सरल और पारदर्शी बनाने की मांग।
- **वर्क-लाइफ बैलेंसः** काम के घंटे, अवकाश और सुविधाओं में सुधार की मांग प्रमुख।
- **पुरानी पेंशन योजना (OPS):** कई कर्मचारी संगठन पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

# खार्ग द्वीप पर कब्जे की धमकी से और बढ़ा वैश्विक तनाव

## अमेरिका-ईरान आमने-सामने

**स्वराज इंडिया ब्यूरो**

**नई दिल्ली।** अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। हालिया घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने स्थिति को और भड़का दिया है। ट्रंप ने संकेत दिया है कि अमेरिका ईरान के सबसे अहम तेल निर्यात केंद्र खार्ग द्वीप पर कब्जा करने जैसे विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस बयान के बाद पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल तेज हो गई है और वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप ने एक इंटरव्यू में स्पष्ट किया कि अमेरिका की प्राथमिकता ईरान के तेल संसाधनों पर नियंत्रण करना है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना के पास कई

**➪ ट्रंप के सख्त तेवर, ईरान की पलट चेतावनी, खाड़ी से लेकर इजरायल तक जंग और बढ़ने का खतरा गहराया**

विकल्प मौजूद हैं, जिनमें खार्ग द्वीप पर सीधी कार्रवाई भी शामिल है। ट्रंप का दावा है कि यह द्वीप सैन्य रूप से उतना सुरक्षित नहीं है और अमेरिका के लिए इसे कब्जे में लेना कठिन नहीं होगा।

हालांकि, अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से इस तरह की किसी ठोस सैन्य कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के हवाले से यह जरूर सामने आ रहा है कि खाड़ी क्षेत्र में सैन्य तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। रणनीतिक रूप से खार्ग द्वीप के साथ-साथ लारक द्वीप और होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास के इलाकों को भी संवेदनशील माना जा रहा है।

दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका के इस रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ईरानी नेतृत्व और सेना ने साफ चेतावनी दी है कि यदि किसी भी तरह की जमीनी या सैन्य कार्रवाई की गई, तो उसका "करारा और व्यापक जवाब" दिया जाएगा। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने संकेत दिया है कि वह क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और सहयोगी देशों को निशाना बना सकता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच खार्ग द्वीप का महत्व और भी बढ़ गया है। यह द्वीप ईरान के कच्चे तेल निर्यात का सबसे बड़ा केंद्र है, जहां से वैश्विक बाजारों में बड़ी मात्रा में तेल भेजा जाता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति पर पड़ सकता है। इसी तनाव के समानांतर ईरान और इजरायल के बीच भी टकराव तेज हो गया है। हाल ही में ईरान द्वारा दक्षिणी इजरायल के एक केमिकल प्लांट पर मिसाइल हमला किए जाने की खबरें सामने आई हैं, जिससे वहां भीषण आग लग गई। जहरीले रसायनों के रिसाव की आशंका ने स्थानीय आबादी में दहशत पैदा कर दी है जवाबी कार्रवाई में इजरायल ने भी ईरान के अहम शहरों–तेहरान और इस्फहान–को निशाना बनाया। खासतौर पर इस्फहान स्थित तकनीकी संस्थान पर हमला इस संघर्ष को और गंभीर बनाता है। शैक्षणिक संस्थानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय मानकों के खिलाफ माने जाते हैं और यह संकेत देते हैं कि अब युद्ध की सीमाएं लगातार टूट रही हैं। ईरान ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि उसके विश्वविद्यालयों और शोध संस्थानों को निशाना बनाया गया, तो वह भी जवाब में ऐसे ही कदम उठाएगा। इससे यह आशंका और गहरी हो गई है कि यह संघर्ष और व्यापक हो सकता है। खाड़ी क्षेत्र में भी तनाव तेजी से फैल रहा है। कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और अन्य देशों के आसपास ड्रोन और मिसाइल गतिविधियों में बढ़ोतरी की खबरें हैं। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है, अब संभावित टकराव का केंद्र बनता जा रहा है विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ती तल्खी और इजरायल के साथ सैन्य टकराव मिलकर एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकते हैं। इसका असर न केवल मध्य पूर्व बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक सुरक्षा पर पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com